<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

नई दिल्ली, 2 <u>नवम्बर</u>, 2021

भारत सरकार
Government of India
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एम. ओ. ई. एस.)
Ministry of Earth Sciences (MoES)
भारत मौसम विज्ञान विभाग
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

<u>2021 नवम्बर वर्षा हेतु दिर्घावधि पूर्वानुमान</u>

<u>Long Range Forecast for the 2021 November Rainfall</u>

<u>मुख्य विशेषताएँ</u>

क) 2021 नवम्बर के लिए पांच मौसम संबधी उपखंडों (तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईक्कल, तटीय आंध्र प्रदेश और यानम, रायलसीमा, केरल और माही तथा दक्षिण आंतरिक कर्नाटक) से युक्त दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में मासिक वर्षा सामान्य से अधिक (दीर्घावधि औसत (एलपीए/LPA) का >122%) होने की संभावना है ।

ख) वर्तमान में भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर पर ला नीना की स्थिति प्रचलित है और हिंद महासागर पर तटस्थ आईओडी/IOD की स्थिति प्रचलित है । नवीनतम वैश्विक मॉडल पूर्वानुमानों से संकेत मिलता है कि ला नीना की स्थिति मार्च 2022 तक बनी रहने की संभावना है और आगामी ऋतु (सीज़न) के दौरान तटस्थ आईओडी/IOD की स्थिति जारी रहने की संभावना है।

चूंकि प्रशांत और हिंद महासागरों पर समुद्र की सतह के तापमान (एसएसटी/SST) की स्थिति में परिवर्तन भारतीय जलवायु को प्रभावित करने के लिए जाना जाता है, आईएमडी/IMD इन महासागर द्रोणियों पर समुद्री सतह की स्थिति के विकास की सावधानीपूर्वक निगरानी कर रहा है ।

1. पृष्ठभूमि

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में पांच मौसम विज्ञान संबंधी उपखंड (तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईक्कल, तटीय आंध्र प्रदेश और यानम, रायलसीमा, केरल और माही तथा दक्षिण आंतरिक कर्नाटक) शामिल है, जिसमें नवंबर से जनवरी के मौसम के दौरान अच्छी मात्रा में वर्षा होती है । इस वर्ष, भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने देश भर में ऋतुनिष्ठ वर्षा के लिए मासिक और ऋतुनिष्ठ परिचालन पूर्वानुमान जारी करने के लिए एक नई रणनीति अपनाई है । नई रणनीति मौजूदा सांख्यिकीय पूर्वानुमान प्रणाली और नव विकसित मल्टि-मॉडल एन्सेंबल (एमएमई/MME) पूर्वानुमान प्रणाली पर आधारित है । एमएमई/MME दृष्टिकोण आईएमडी के मॉनसून मिशन सीएफएस/CFS (MMCFS) मॉडल सहित विभिन्न वैश्विक जलवायु प्रागुक्ति और अनुसंधान केंद्रों से युग्मित वैश्विक जलवायु मॉडल (CGCMs) का उपयोग करता है । तद्नुसार, आईएमडी ने 2021 दक्षिण पश्चिम मॉनसून ऋतुनिष्ठ (जून से सितंबर) और देश में मासिक वर्षा तथा दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के साथ-साथ देश भर में मानसून के बाद की ऋतु (अक्तूबर से दिसम्बर (ओएनडी/OND) वर्षा के लिए विभिन्न ऋतुनिष्ठ पूर्वानुमान जारी किए थे । साथ ही देश भर में (ओएनडी/OND) वर्षा के लिए संभाव्य पूर्वानुमानों का स्थानिक वितरण भी जारी किए थे ।

अब आईएमडी ने नवम्बर 2021 महीने के लिए पूर्वानुमान दृष्टिकोण तैयार किया है ।

क. दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में नवम्बर महीने की औसतन वर्षा के लिए संभावित पूर्वानुमान ।

ख. नवम्बर 2021 के लिए देश भर में संभावित पूर्वानुमानों का स्थानिक वितरण ।

2. प्रशांत और हिंद महासागरों में समुद्र सतह तापमान (SST) की स्थितियां

वर्तमान में, समुद्र सतह तापमान (SST) और भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर पर वायुमंडलीय स्थितियां ला नीना की स्थिति का संकेत देती है । एमएमसीएफएस/MMCFS और अन्य वैश्विक मॉडलों के नवीनतम पूर्वानुमान बताते हैं कि ला नीना की स्थिति मार्च 2022 तक जारी रहने की संभावना है ।

प्रशांत क्षेत्र में एनसो (ENSO) की स्थिति के अलावा, हिंद महासागर समुद्र सतह तापमान (SST) जैसे अन्य कारक भी भारतीय जलवायु को प्रभावित करते हैं । वर्तमान में,

भूमध्यरेखीय हिंद महासागर पर तटस्थ हिंद महासागर द्विध्रुव (आईओडी/ IOD) की स्थिति प्रचलित है । एमएमसीएफएस/MMCFS और अन्य वैश्विक मॉडलों के नवीनतम पूर्वानुमानों से संकेत मिलता है कि आगामी ऋतु (सीज़न) के दौरान तटस्थ आईओडी/ IOD स्थितियां जारी रहने की संभावना हैं ।

3. नवम्बर 2021 के दौरान वर्षा के लिए संभावित पूर्वानुमान

दक्षिण प्रायद्वीप भारत में 2021 नवम्बर की औसत वर्षा सामान्य से अधिक (दीर्घवधि औसत (एलपीए) का >122%) होने की संभावना है । 1961-2010 के आंकड़ों के आधार पर नवम्बर के दौरान दक्षिण प्रायद्वीप भारत में वर्षा का दीर्घवधि औसत (एलपीए) लगभग 117.46 मि.मी. है ।

देश भर में नवम्बर की वर्षा के लिए टर्सिल श्रेणियों (सामान्य से ऊपर, सामान्य और सामान्य से नीचे) के लिए संभाव्य पूर्वानुमानों का स्थानिक वितरण चित्र 1 में दिखाया गया है । स्थानिक वितरण क्षेत्र के कुछ छोटे हिस्सों को छोड़कर दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से लेकर सामान्य से अधिक वर्षा का सुझाव देता है । यह प्रागुक्त किया गया है कि उत्तर भारत के कई क्षेत्रों और मध्य और उत्तर पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य से नीचे से लेकर सामान्य वर्षा की संभावना है । देश के बाकी हिस्सों में सामान्य से लेकर सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है । मानचित्र में दिखाया गया बिंदुदार (डॉटेड) क्षेत्र नवम्बर के दौरान जलवायु विज्ञान की दृष्टि से बहुत कम वर्षा प्राप्त करता है और भूमि क्षेत्रों के भीतर सफेद छायांकित क्षेत्र जलवायु संबंधी संभावनाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं ।

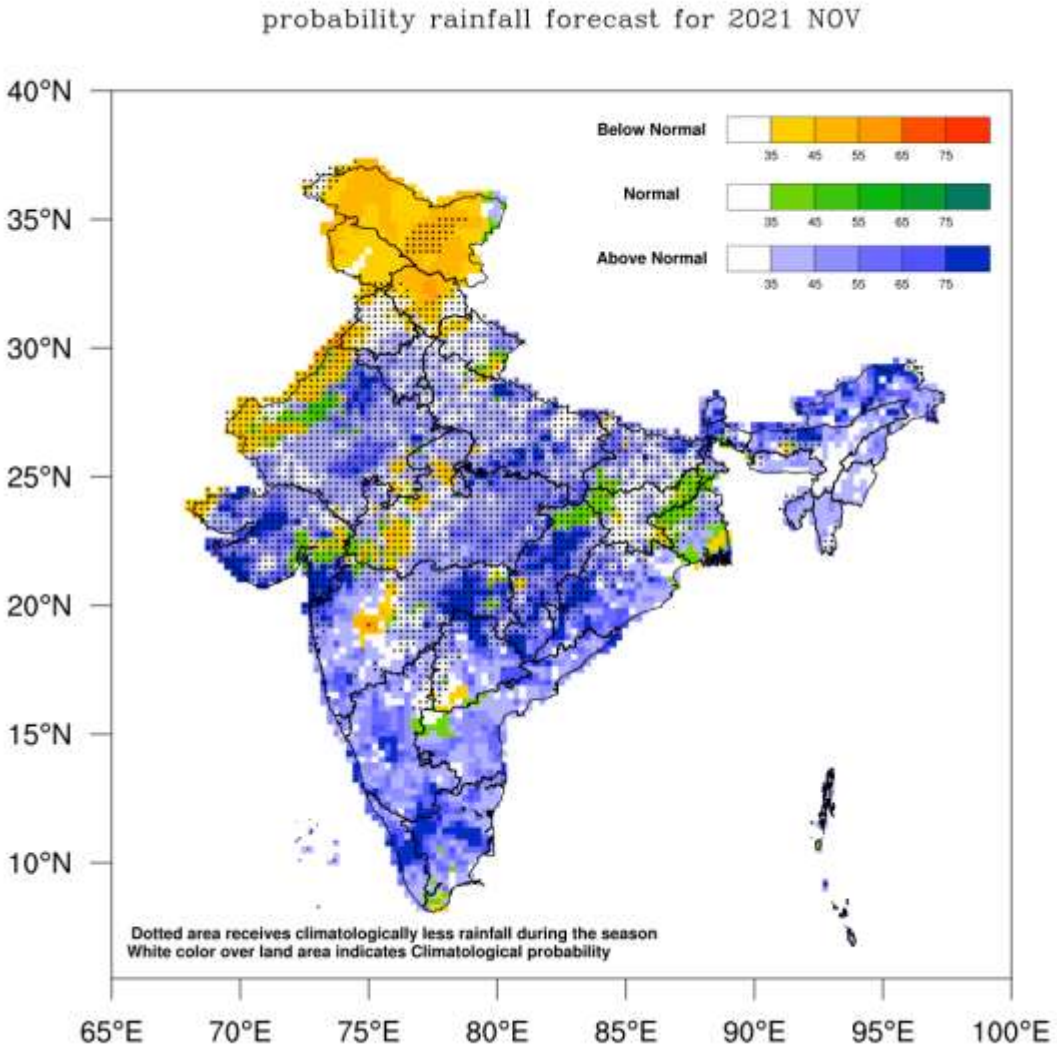

चित्र 1. भारत में 2021 नवम्बर की वर्षा के लिए टर्सिल श्रेणियों * (सामान्य से नीचे, सामान्य और सामान्य से अधिक) की संभावना का पूर्वानुमान । यह आंकड़ां सबसे संभावित श्रेणियों के साथ-साथ उनकी संभाव्यताओं को भी समझाता है । मानचित्र में दिखाया गया बिंदुदार (डॉटेड) क्षेत्र नवम्बर महीने के दौरान जलवायु विज्ञान की दृष्टि से बहुत कम वर्षा प्राप्त करता है भूमि क्षेत्र के भीतर सफेद छायांकित क्षेत्र जलवायविक संभावनाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं । संभाव्यताओं को युग्मित जलवायु मॉडलों के एक समूह से तैयार किए गए एमएमई/MME पूर्वानुमान का उपयोग करके प्राप्त किया गया था । (* टर्सिल श्रेणियों में समान जलवायविक संभावनाएं हैं, प्रत्येक की 33.33%).